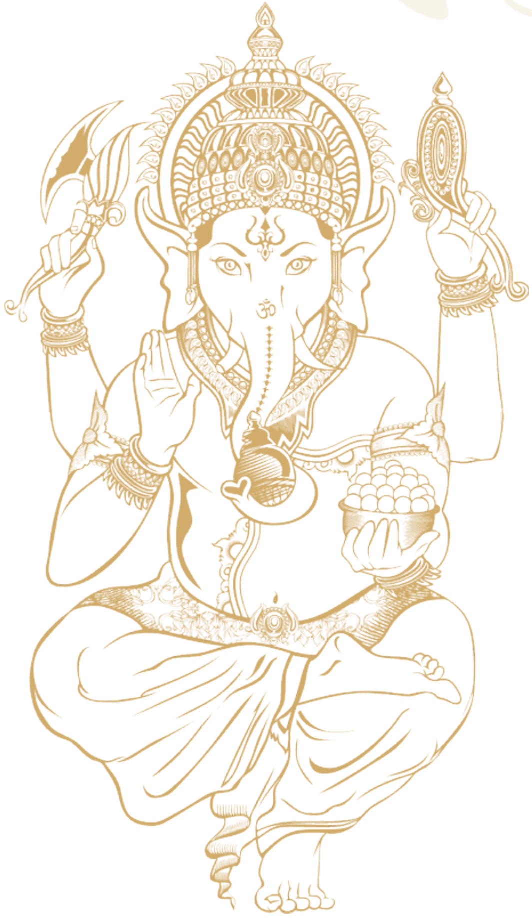

Mr.

26 Mar 2020

11:24 AM

Dehradun

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121699704

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
26/03/2020	जन्म तिथि	**26-27/03/2026**
गुरुवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 11:24:00	जन्म समय	00:32:36 घंटे
घटी 12:54:08	जन्म समय(घटी)	45:44:15 घटी
India	देश	India
Dehradun	स्थान	Dehradun
उत्तर 30:19:00	अक्षांश	30:19:00 उत्तर
पूर्व 78:03:00	रेखांश	78:03:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:48	स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:14:20	सूर्योदय	06:14:54
18:32:18	सूर्यास्त	18:32:38
24:08:05	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:31
मिथुन	लग्न	वृश्चिक
बुध	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मेष	राशि	मिथुन
मंगल	राशि-स्वामी	बुध
अश्विनी	नक्षत्र	पुनर्वसु
केतु	नक्षत्र स्वामी	गुरु
1	चरण	2
ऐन्द्र	योग	अतिगण्ड
कौलव	करण	कौलव
चू-चूड़ामणि	जन्म नामाक्षर	को-कोमल
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
चतुष्पाद	वश्य	मानव
अश्व	योनि	मार्जार
देव	गण	देव
आद्य	नाड़ी	आद्य
सिंह	वर्ग	मार्जार
6	गत/तत्कालिक वर्ष	7

जन्म – विवरण   वर्ष – विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
आर्द्रा	2	10:44:19	मिथु			लग्न			वृश्चि	29:40:24	4	ज्येष्ठा
उ०भाद्रपद	3	11:54:16	मीन			सूर्य			मीन	11:54:16	3	उ०भाद्रपद
अश्विनी	1	02:02:42	मेष			चंद्र			मिथु	24:46:28	2	पुनर्वसु
उत्तराषाढ़ा	2	02:41:06	मक			मंगल		अ	कुंभ	24:48:54	2	पू०भाद्रपद
शतभिषा	3	14:15:52	कुंभ			बुध			कुंभ	15:53:09	3	शतभिषा
उत्तराषाढ़ा	1	29:30:31	धनु			गुरु			मिथु	21:15:22	1	पुनर्वसु
कृतिका	1	27:53:30	मेष			शुक्र			मेष	00:59:52	1	अश्विनी
उत्तराषाढ़ा	3	06:09:37	मक			शनि		अ	मीन	10:40:24	3	उ०भाद्रपद
आर्द्रा	1	09:06:42	मिथु	व		राहु			कुंभ	14:29:32	3	शतभिषा
मूल	3	09:06:42	धनु	व		केतु			सिंह	14:29:32	1	पू०फाल्गुनी
अश्विनी	4	10:43:26	मेष			मु			धनु	10:44:19	4	मूल

व – वक्री   स – स्थिर

अ – अस्त   पू – पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:31

लग्न-चलित

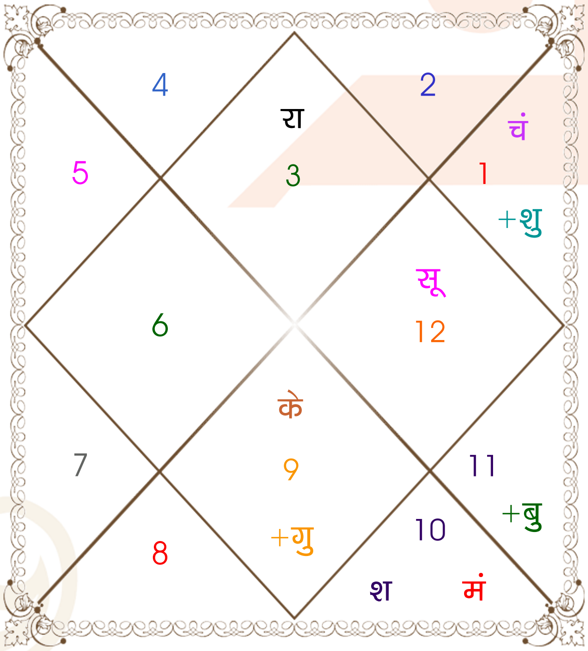

वर्ष लग्न कुंडली

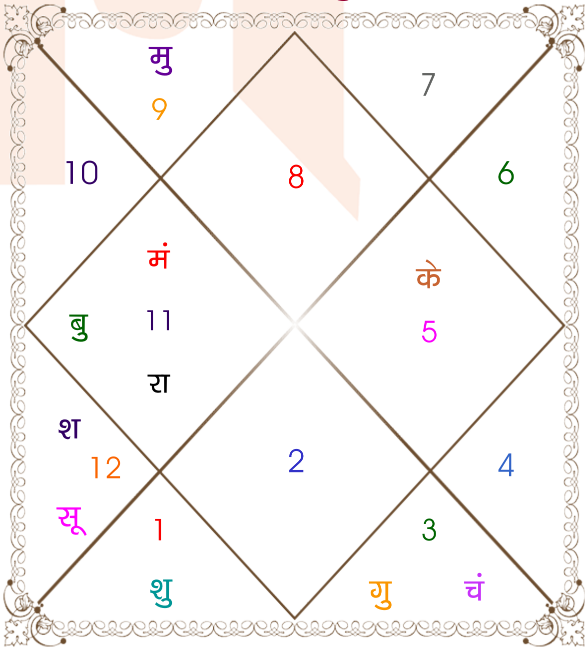

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - शुक्र - शुक्र		शुक्र - शुक्र - सूर्य		शुक्र - शुक्र - चंद्र		शुक्र - शुक्र - मंगल	
28/02/2026 01:38		18/09/2026 23:38		18/11/2026 20:38		28/02/2027 07:38	
18/09/2026 23:38		18/11/2026 20:38		28/02/2027 07:38		10/05/2027 08:08	
शुक्र	02/04/2026 21:18	सूर्य	22/09/2026 00:41	चंद्र	27/11/2026 07:33	मंगल	04/03/2027 11:04
सूर्य	13/04/2026 00:48	चंद्र	27/09/2026 02:26	मंगल	03/12/2026 05:36	राहु	15/03/2027 02:44
चंद्र	29/04/2026 22:38	मंगल	30/09/2026 15:40	राहु	18/12/2026 10:51	गुरु	24/03/2027 14:00
मंगल	11/05/2026 18:43	राहु	09/10/2026 18:49	गुरु	31/12/2026 23:31	शनि	04/04/2027 19:53
राहु	11/06/2026 05:13	गुरु	17/10/2026 21:37	शनि	17/01/2027 01:03	बुध	14/04/2027 21:21
गुरु	08/07/2026 06:33	शनि	27/10/2026 12:56	बुध	31/01/2027 10:01	केतु	19/04/2027 00:47
शनि	09/08/2026 09:38	बुध	05/11/2026 03:55	केतु	06/02/2027 08:03	शुक्र	30/04/2027 20:52
बुध	07/09/2026 03:33	केतु	08/11/2026 17:08	शुक्र	23/02/2027 05:53	सूर्य	04/05/2027 10:06
केतु	18/09/2026 23:38	शुक्र	18/11/2026 20:38	सूर्य	28/02/2027 07:38	चंद्र	10/05/2027 08:08

शुक्र - शुक्र - राहु		शुक्र - शुक्र - गुरु		शुक्र - शुक्र - शनि		शुक्र - शुक्र - बुध	
10/05/2027 08:08		08/11/2027 23:08		19/04/2028 07:08		29/10/2028 01:38	
08/11/2027 23:08		19/04/2028 07:08		29/10/2028 01:38		19/04/2029 13:08	
राहु	06/06/2027 17:35	गुरु	30/11/2027 14:36	शनि	19/05/2028 19:40	बुध	22/11/2028 12:04
गुरु	01/07/2027 01:59	शनि	26/12/2027 07:28	बुध	16/06/2028 03:05	केतु	02/12/2028 13:32
शनि	29/07/2027 23:58	बुध	18/01/2028 07:24	केतु	27/06/2028 08:58	शुक्र	31/12/2028 07:27
बुध	24/08/2027 20:53	केतु	27/01/2028 18:40	शुक्र	29/07/2028 12:03	सूर्य	08/01/2029 22:26
केतु	04/09/2027 12:34	शुक्र	23/02/2028 20:00	सूर्य	08/08/2028 03:22	चंद्र	23/01/2029 07:23
शुक्र	04/10/2027 23:04	सूर्य	02/03/2028 22:48	चंद्र	24/08/2028 04:55	मंगल	02/02/2029 08:51
सूर्य	14/10/2027 02:13	चंद्र	16/03/2028 11:28	मंगल	04/09/2028 10:48	राहु	28/02/2029 05:47
चंद्र	29/10/2027 07:28	मंगल	25/03/2028 22:44	राहु	03/10/2028 08:46	गुरु	23/03/2029 05:43
मंगल	08/11/2027 23:08	राहु	19/04/2028 07:08	गुरु	29/10/2028 01:38	शनि	19/04/2029 13:08

शुक्र - शुक्र - केतु		शुक्र - सूर्य - सूर्य		शुक्र - सूर्य - चंद्र		शुक्र - सूर्य - मंगल	
19/04/2029 13:08		29/06/2029 13:38		17/07/2029 19:56		17/08/2029 06:26	
29/06/2029 13:38		17/07/2029 19:56		17/08/2029 06:26		07/09/2029 13:47	
केतु	23/04/2029 16:34	सूर्य	30/06/2029 11:33	चंद्र	20/07/2029 08:49	मंगल	18/08/2029 12:16
शुक्र	05/05/2029 12:39	चंद्र	02/07/2029 00:05	मंगल	22/07/2029 03:25	राहु	21/08/2029 16:58
सूर्य	09/05/2029 01:52	मंगल	03/07/2029 01:39	राहु	26/07/2029 17:00	गुरु	24/08/2029 13:09
चंद्र	14/05/2029 23:55	राहु	05/07/2029 19:23	गुरु	30/07/2029 18:24	शनि	27/08/2029 22:07
मंगल	19/05/2029 03:21	गुरु	08/07/2029 05:50	शनि	04/08/2029 14:04	बुध	30/08/2029 22:33
राहु	29/05/2029 19:01	शनि	11/07/2029 03:14	बुध	08/08/2029 21:33	केतु	01/09/2029 04:23
गुरु	08/06/2029 06:17	बुध	13/07/2029 17:19	केतु	10/08/2029 16:10	शुक्र	04/09/2029 17:36
शनि	19/06/2029 12:10	केतु	14/07/2029 18:53	शुक्र	15/08/2029 17:55	सूर्य	05/09/2029 19:10
बुध	29/06/2029 13:38	शुक्र	17/07/2029 19:56	सूर्य	17/08/2029 06:26	चंद्र	07/09/2029 13:47

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आप रक्त विकार से कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेंगी तथा मन से आप चिन्तित तथा व्याकुल रहेंगे। साथ ही आपके स्वभाव में क्रोध की प्रबलता रहेगी जिससे समय समय पर अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। शत्रुपक्ष या विरोधी इस समय आपसे संघर्ष के लिए तत्पर रहेंगे तथा आप उनका सामना करने के लिए उद्यत रहेंगे। इसी संघर्ष में आपको किसी शस्त्रादि से चोट लग सकती है लेकिन पराक्रम आपका बना रहेगा तथा बन्धु वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग मिलेगा। साथ ही संघर्ष पूर्वक सुख संसाधनों की भी अल्प मात्रा में प्राप्ति होगी तथा न्यूनाधिक रूप से आप इनका उपभोग करते रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष पूर्वक आप इस क्षेत्र में उन्नति करेंगे एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। साथ ही यदा कदा इसमें समस्याएं भी हो सकती है तथा हानि के अवसर भी आ सकते हैं अतः सावधान रहें। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग तथा वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न से रहेंगे। अतः ऐसे समय में उनकी उपेक्षा न करें तथा आज्ञापालन में तत्पर रहें। इस वर्ष में आपकी प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी साथ ही आर्थिक स्थिति में भी उतार चढ़ाव आएंगे। अतः परिश्रम एवं संघर्ष करते रहें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप की स्वस्थता बनी रहेगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप शान्ति तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस समय आप में उत्साह के भाव की प्रबलता रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य उत्साह एवं परिश्रम से ही सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा फलतः सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको उचित मान सम्मान प्रदान करेंगे।बन्धुवर्ग से भी इस वर्ष आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनसे लाभ भी मिलेगा। मिष्ठान्न के प्रति इस समय आपकी विशेष रूचि रहेगी तथा इच्छानुसार आप समय समय पर रूचि पूर्वक इसका भक्षण कर के आनन्द की प्राप्ति करेंगे।

इस वर्ष में राजनैतिक रूप से प्रभाव शाली व्यक्तियों या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से आप को आश्रय मिलेगा अर्थात आपसे ये लोग प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं समय समय पर अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। फलतः आपके सभी सांसारिक महत्व के कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। आर्थिक दृष्टि से भी आपकी आय अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त स्त्री से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा जिससे आपके मन में प्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा।